नैक (NAAC) द्वारा 'A' ग्रेड प्राप्त

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997] क्रमांक के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

हिंदी विश्वविद्यालय ने बनाया पहला
ऑनलाइन पुनश्चर्या पाठ्यक्रम

वर्धा, दि. 1 नवंबर 2018 : महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय ने हिंदी का पहला ऑनलाइन पुनश्चर्या पाठ्यक्रम शुरू किया है। यह पाठ्यक्रम हिंदी साहित्य के अध्यापकों के लिए प्रारम्भ किया गया है। इसे देश भर के हिंदी साहित्य पढ़ाने वाले अध्यापक घर बैठे कर सकते हैं। उन्हें, इसके लिए अपने मुख्यालय से बाहर जाकर पुनश्चर्या पाठ्यक्रम करने की आवश्यकता नहीं होगी। यह पाठ्यक्रम विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा स्वीकृत है। इसे मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार की महत्वाकांक्षी पहल के अंतर्गत आरम्भ किया गया है। यह अध्यापकों की प्रोन्नति के लिये आवश्यक विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा संचालित पुनश्चर्या पाठ्यक्रम के समतुल्य है।

विश्वियालय द्वारा प्रारम्भ इस पहले ऑनलाइन पाठ्यक्रम का केंद्रीय विषय 'बीसवीं शताब्दी की हिंदी कविता के प्रमुख प्रस्थान' है। 40 उपविषयों में बाँटकर 4 माह का पाठ्यक्रम तैयार किया गया है। यहपाठ्यक्रम 1 नवंबर से 28 फरवरी 2019 तक चलेगा। पाठ्यक्रम में पंजीयन के लिए प्रतिभागी को स्वयं(SWAYAM) के पोर्टल का उपयोग करना पड़ेगा।यह पाठ्यक्रम निःशुल्क उपलब्ध है।

इस पाठ्यक्रम को विश्वियालय के माननीय कुलपति प्रोफेसर गिरीश्वर मिश्र जी के कुशल मार्गदर्शन में निर्मित किया गया है।साथ ही पाठ्यक्रम निर्माण में देश भर के विद्वानों का भी सहयोग प्राप्त हुआ है।विश्वियालय के माननीय प्रतिकुलपति प्रोफेसर आनंद वर्धन शर्मा, हिंदी एवं तुलनात्मक साहित्य विभागके अध्यक्ष प्रोफेसर कृष्ण कुमार सिंह ने पूरी परियोजना को अंतिम रूप देने में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह किया। पाठ्यक्रम के संयोजक प्रोफेसर अखिलेश कुमार दुबे और सह संयोजक डॉ. अशोक नाथ त्रिपाठी हैं।

इस पाठ्यक्रम को शुरू करते हुए विश्वियालय के माननीय कुलपति प्रोफेसर गिरीश्वर मिश्र जी ने देश भर के हिंदी के अध्यापकों को बढ़ चढ़ कर इस नवोन्मेषी परियोजना का हिस्सा बनने का आह्वान किया।साथ ही उन्होंने इस पाठ्यक्रम के निर्माण से जुड़ी टीम को बधाई दी है।

विदित हो कि महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय को हिंदी और भाषाविज्ञान विषय का राष्ट्रीय संसाधन केंद्र आवंटित किया गया है। महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय ने विगत वर्ष भी यूजीसी की ईपीजी पाठशाला कार्यक्रम के अंतर्गत स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम के सात प्रश्नपत्रों के तहत 280 ईपाठ तैयार किये थे जो अध्येताओं के लिए यू-ट्यूब और ईपीजी पाठशाला की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं। विश्वविद्यालय में हिंदी शिक्षण अधिगम केंद्र भी कार्यरत है जिसके तहत पूरे वर्ष भर हिंदी से जुड़े विशिष्ट आयोजन और प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न कराए जाते हैं।

मा. संपादक/संवाददाता
महोदय, कृपया संलग्न समाचार प्रकाशित कर अनुगृहीत करें।
धन्यवाद।